

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 11

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. ब्रूस वाल्टके और भजन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 11, याचिका स्तोत्र, स्तोत्र 92 है।

तो, आइए एक प्रार्थना से शुरुआत करें। पिता, आपका धन्यवाद कि आपने हमें साहसपूर्वक आपकी उपस्थिति में आने के लिए कहा। हम आपकी कृपा पर चकित हैं, कि हम जो स्वयं में इतने पापी हैं, हमने जो कुछ किया है और जो कुछ अधूरा छोड़ दिया है, उसके द्वारा मन, वचन और कर्म से आपके विरुद्ध पाप करते हैं। हम ने तुम से वैसा प्रेम नहीं किया, जैसा हम ने अपने पड़ोसियों से प्रेम नहीं किया।

हमने तुम्हें पूरे दिल से प्यार नहीं किया। हमें सचमुच खेद है और हम विनम्रतापूर्वक पश्चाताप करते हैं। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप हम पर दया करें और हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से हमारे सभी पापों को क्षमा करें।

पवित्र आत्मा की शक्ति से हमें सभी अच्छाइयों में मजबूत करें, और हमें अनन्त जीवन के मार्ग पर रखें। उस प्रार्थना के साथ, हम साहसपूर्वक आपकी उपस्थिति में आ सकते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हमें क्षमा कर दिया गया है और हम जानते हैं कि पवित्र आत्मा हमारे साथ है। आपकी कृपा से, आपने हमें यीशु में सफेद वस्त्र पहनाकर धर्मी घोषित किया।

और आत्मा के द्वारा, आप हमें उसकी छवि में बदल रहे हैं। हम आपको अनुग्रह के उन साधनों के लिए धन्यवाद देते हैं जो आपने हमें दिए हैं, प्रार्थना, चर्च और दूसरों के बीच में आपके पवित्र ग्रंथ। तो, भगवान, हम इस पाठ्यक्रम में आपके पवित्र धर्मग्रंथों के लिए विशेष रूप से आभारी हैं, क्योंकि वे आपके पवित्र आत्मा द्वारा सांस लेते हुए, हमारे साथ आपकी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उस आत्मा के लिए धन्यवाद जो आपके शब्द को प्रोत्साहित और प्रसारित करती है। बिल माउंस, बाइबिल प्रशिक्षण और अपनी बात कहने के इस अवसर के लिए धन्यवाद। हम अपने होठों पर सच्चा धन्यवाद लेकर आते हैं।

और साथ ही, अपने आप में अपनी अपर्याप्तता का सच्चा एहसास भी होता है। और हम आपसे आपकी सक्षमता और सशक्तिकरण पर भरोसा करने का विश्वास देने के लिए कहते हैं। हम यह प्रार्थना करते हैं क्योंकि आपने हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम पर प्रार्थना करना सिखाया है। उनके नाम पर हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

ठीक है। मुझे लगता है कि हम लगभग 10वें व्याख्यान तक में हैं। यह पाठ्यक्रम हमें भजन संहिता की पुस्तक से परिचित कराने के लिए है। हमारा दृष्टिकोण है, हमारा उद्देश्य यह है कि हम पुस्तक को बेहतर ढंग से समझ सकें। हम भजनहार के मन में अधिक सटीकता से प्रवेश कर सकते हैं।

इसलिए, हमने स्तोत्र के अध्ययन के इतिहास से अध्ययन के लिए 10 दृष्टिकोण चुने हैं। हमारा उद्देश्य भजन के धर्मशास्त्र को पढ़ाना नहीं है, हालाँकि हम निश्चित रूप से ऐसा करते हैं। हमारा उद्देश्य विशेष रूप से आध्यात्मिक जीवन को संबोधित करना नहीं है, जो चर्च के दो मुख्य उद्देश्य हैं।

हमारा उद्देश्य हम जहाँ हैं वहीं से धर्मग्रंथ की सर्वोत्तम व्याख्या करना है। हमने निष्कर्ष निकाला है कि भजनों के प्रति पाँच दृष्टिकोण हैं जो उन्हें हमारे लिए अधिक गहराई और अधिक स्पष्टता से खोलना शुरू करते हैं। हम मानते हैं कि एक दृष्टिकोण ऐतिहासिक दृष्टिकोण था।

आलोचनात्मक दृष्टिकोण का स्वरूप था। इसमें एक धार्मिक दृष्टिकोण है, एक अलंकारिक दृष्टिकोण है, और इसे देखते हुए, जिसे कभी-कभी संपादन आलोचना भी कहा जाता है कि यह सब कैसे संपादित किया जाता है और एक साथ रखा जाता है। हमने ऐतिहासिक दृष्टिकोण पर एक दिन बिताया और हमने उससे सीखा और डेविडिक लेखकत्व का बचाव किया।

लेकिन मुद्दा यह था कि भजन की आंख राजा है और हम भजन की किताब को एक शाही भजन की किताब के रूप में सोच सकते हैं। यह सब राजा के बारे में है। राजा प्रार्थना कर रहा है और वे राजा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

तो हमने तीर्थयात्रा भजन में देखा, जब वे मंदिर में जाने के लिए जाते हैं, तो वे किस लिए प्रार्थना करते हैं? वे अभिषिक्त के लिए प्रार्थना करते हैं, अर्थात् राजा के लिए। और इसलिए कि इस पूरे में, गुंकेल ने 10 शाही स्तोत्रों की पहचान की थी, क्योंकि उनमें राजा का उल्लेख था, लेकिन यह केवल स्तोत्र में व्याप्त है। जब आप समझ जाते हैं कि यह प्रार्थना में राजा है और वह इसे संगीत निर्देशक को सौंप देता है ताकि हम सभी राजा के साथ गाना शुरू करें।

यह भजनों की नए नियम की व्याख्या के लिए एक ठोस आधार देता है जो वे हमारे प्रभु यीशु मसीह के बारे में बोलते हैं क्योंकि वह डेविड का पुत्र है। तो, वे उनके करियर की, उनकी प्रार्थनाओं की तस्वीरें हैं। मुझे विश्वास है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ने भजन संहिता की पुस्तक को कंठस्थ कर लिया था।

वे लगातार उसके होठों पर थे, यहाँ तक कि क्रूस पर भी जब उसने कहा, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया? वह भजन 22 है। मैं अपनी आत्मा आपके हाथों में सौंपता हूँ। यह इस स्तोत्र से है।

तो, हर तरह से, यह उसकी शब्दावली का सिर्फ एक हिस्सा है। और उस ने कहा, कि उन्होंने इम्मौस मार्ग पर चेलों से उसके विषय में बात की। और उस ने कहा, तू ने यह क्यों नहीं समझा, कि जो पीड़ा और महिमा उस पीड़ा के बाद आई, वह मेरी ही चर्चा कर रही थी, परन्तु इस की ओर उन्हें आंखें खोलनी पड़ीं।

और इसलिए, हम इसे व्याख्यात्मक रूप से स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अंततः यह आत्मा का कार्य है जब हम वास्तव में अपने प्रभु यीशु मसीह को उनके भजनों में देखने में

सक्षम होते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि आप उस ऐतिहासिक दृष्टिकोण का मूल्य देख सकते हैं। यह आपको पूरी तरह से एक नई अंतर्दृष्टि देता है, कम से कम मेरे लिए, स्तोत्र में यह था।

दूसरा दृष्टिकोण परंपरा है। पारंपरिक दृष्टिकोण डेविड द्वारा था और इसे डेविड के जीवन में लागू किया गया था, लेकिन शुरुआती चर्च में वास्तव में ऐसा नहीं था। उन्होंने बताया कि कैसे वे इसे ईसा मसीह के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

उन्होंने इसे मसीह में देखा। प्रपत्र आलोचनात्मक दृष्टिकोण यह है कि पूरे इतिहास में, जिन लोगों ने भगवान के वचन को संभाला है, उन्होंने माना है कि विभिन्न प्रकार के भजन थे, लेकिन यह वास्तव में सभी भजनों को देखने और उनके रूपों के बारे में सोचने के वैज्ञानिक तरीके से कभी नहीं किया गया था। और वास्तव में गुंकल ने इस पर काम किया।

मैं उनमें से नहीं हूँ जो उनके आध्यात्मिक जीवन का आकलन कर सकता हूँ, लेकिन उनकी कही गई कुछ बातें बहुत समस्याग्रस्त हैं, आइए इसे इस तरह से कहें। लेकिन उसने निश्चित रूप से मेरी आंखें खोल दीं कि भजन अलग-अलग प्रकार के होते हैं। संपूर्ण स्तोत्रों तक पहुँचने का यह एक बहुत अच्छा तरीका है यह समझना कि वे विभिन्न श्रेणियों में, विभिन्न समूहों में आते हैं।

उन्होंने पांच अलग-अलग प्रकारों की पहचान की। उन्होंने स्तुति के भजनों की पहचान की और ये भजन थे। उन्होंने उसमें से शाही भजनों को अलग कर दिया।

वह एक अन्य प्रकार का भजन था, शाही स्तोत्र या तनावपूर्ण स्तोत्र। फिर विलाप, शिकायत, या प्रार्थना स्तोत्र थे जिन्हें हम आज देखने जा रहे हैं। उनके लिए सांप्रदायिक विलाप थे और धन्यवाद के गीत थे।

गुंकल को पढ़ने के बाद, जब मुझे डलास में एक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया, तो यह बाइबल प्रदर्शनी पाठ्यक्रमों में से एक था। मैं जितना हो सके उतना साहित्य पढ़ रहा था। मैं गुंकल के माध्यम से पढ़ रहा था।

मैं उसी समय इतिहास की पुस्तक पढ़ रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ, जब मैंने 1 इतिहास 16.4 पढ़ा, जहां डेविड ने लेवियों को मंदिर में सेवा करने के लिए नियुक्त किया, हेस्किर, जिसे मैं याचिका के लिए अनुवाद करूंगा, धन्यवाद देने के लिए हदोट, प्रशंसा करने के लिए हलाल को नियुक्त किया। तो, ऐसे तीन रूप थे जिनका गुंकल ने पाठ से बाहर अनुभवजन्य रूप से विश्लेषण किया था।

यहाँ इतिहासकार, प्रेरित इतिहासकार कह रहा है कि स्तोत्र तीन प्रकार के होते हैं, याचना, स्तुति और धन्यवाद। मैंने जो शाही स्तोत्र निष्कर्ष निकाला था वह एक नाजायज श्रेणी थी क्योंकि न केवल दस स्तोत्रों में राजा का उल्लेख किया गया है, जैसा कि मैंने पहले कहा था। इसलिए, इन तीन श्रेणियों में भजनों के बारे में सोचने की बाइबिल की गारंटी है।

कल, विशेष रूप से, हम स्तुति के भजन, भजन देख रहे थे। हमारी कार्यप्रणाली यह पहचान कर रही है कि स्वरूप क्या है, या भजन, तो मैं खुद को उस श्रेणी में आने वाले एक या दो विशिष्ट

भजनों तक सीमित कर दूंगा ताकि हमें उस प्रकार के भजन का स्वाद मिल सके। तो, मोटे तौर पर कहें तो, हमने जो देखा वह भजन थे और हम ऐसी चीजों को उनका रूप मानते हैं।

उनके पास कुछ निश्चित तत्व हैं। भजन के साथ यह बहुत सरल है। यह प्रशंसा का आह्वान है और यह प्रशंसा का कारण है।

यह एक समापन है, आम तौर पर एक हलोलुयाह, प्रशंसा के लिए एक नया आह्वान। इसलिए, हमने इन रूपांकनों को देखा और फिर हमने उनकी अधिक बारीकी से जांच की। हम स्तुति के आह्वान के बारे में सोच रहे थे और हमने ऐसी बातें उठाईं जैसे कि भगवान बहुत अहंकारी हैं।

उसे हमें उसकी प्रशंसा करने के लिए कहना होगा और हम इससे नाराज हो सकते हैं। तो, हमने इस बारे में सोचा कि हम प्रशंसा के उस आह्वान के उस पक्ष और अन्य तत्वों को कैसे समझें जिन पर हमने विचार किया। स्तुति के कारण में, यहीं हम वास्तव में भजनों के धर्मशास्त्र को सीखते हैं और स्तुति के लिए उनके आह्वान और स्तुति के लिए उनकी प्रशंसा में, वे भगवान के उत्कृष्ट गुणों, उनके अप्राप्य गुणों और उनके संचारी गुणों की गणना करते हैं।

उसकी असंप्रेषणीय विशेषताएँ उसकी अस्मिता है, जो कि उसकी स्वयं से है, वह किसी भी चीज़ पर निर्भर नहीं है और सब कुछ उस पर निर्भर है। जैसा कि हमने देखा, हम स्वयं उस पर निर्भर हैं, हमारी सांसें उस पर निर्भर हैं। वह शाश्वत है, वह सर्वज्ञ है, वह सर्वव्यापी है।

वे इसे आवाज दे रहे हैं और भगवान की स्तुति कर रहे हैं। हमने देखा कि इसलिए यह एक धर्मशास्त्रीय धर्मशास्त्र बन जाता है, अर्थात् ईश्वर के प्रति उनकी प्रशंसा हमारे पास वापस आती है, ईश्वर के लिए उनके शब्द हमारे पास ईश्वर के शब्द के रूप में वापस आते हैं। तो, हम ईश्वर की स्तुति के उनके शब्दों के माध्यम से धर्मशास्त्र सीख रहे हैं, सिखा रहे हैं, बस ईश्वर का जश्न मना रहे हैं और वे ईश्वर के बारे में क्या जानते हैं।

भगवान इसे अपने प्रेरित धर्मग्रंथ के हिस्से के रूप में उपयोग करते हैं और हमसे बात करते हैं। यह धर्मशास्त्र सीखने का एक अद्भुत तरीका है। फिर रूपांकनों पर विचार करने और उनके बारे में और अन्य चीजों के बारे में सोचने के बाद, हमने उस प्रदर्शन के बारे में भी सोचा जो वास्तव में इन भजनों को गा रहा है।

हम इससे गुजरे और हमने देखा कि अन्य बातों के अलावा, ईश्वर केवल यही चाहता है, वह केवल उन लोगों से भजन चाहता है जो धर्मी हैं, जो कि उस पर निर्भर हैं और उस पर निर्भरता दिखाते हैं और उसके जैसा बनना और अन्य लोगों के प्रति प्रेम दिखाना चाहते हैं। पापियों के होठों पर वह गीत उसके लिये घृणित है। मुझे लगता है कि मैं कभी-कभी कुछ संगीत, सुसमाचार संगीत और इसे गाने वाले लोगों के जीवन में सुनता हूँ।

मैं न्यायाधीश नहीं हूँ, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि यह ईश्वर को कितना प्रसन्न करता है या क्या यह उसके लिए घृणित है? मुझे लगता है कि हमें उन लोगों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जिन्हें हम सुनते हैं और जो सुसमाचार गीत इत्यादि गाते हैं, लेकिन वह इसे पवित्र लोगों के होठों से चाहता है। इसलिए हमने प्रदर्शन के बारे में बात की और आप इस प्रकार की जांच का महत्व देख सकते

हैं। अब हम दूसरे प्रमुख प्रकार तक पहुंच गए हैं, जो है, नहीं, फिर क्या होता है कि हमने कहा कि दो प्रकार की प्रशंसा थी।

जश्न मनाती थीं, जिसे धर्मशास्त्री हेइल्सगेस्विचटे कहते हैं, जिसका अर्थ है मोक्ष का इतिहास और न केवल मोक्ष का इतिहास, बल्कि व्याख्या किया गया मोक्ष इतिहास। इसका संबंध सृजन से है। यह पलायन से संबंधित है।

यह भूमि की विजय और बंदोबस्त से संबंधित है। दिलचस्प बात यह है कि डेविड के समय के बाद के इतिहास का अधिक संदर्भ नहीं है। यह वास्तव में पलायन और विजय का वह काल है जिसका वे ऐतिहासिक रिकॉर्ड में जश्न मनाते हैं।

तो, आपके पास प्रशंसा के ये सामान्य गीत हैं, और फिर आपके पास वह है जिसे धन्यवाद गीत के रूप में जाना जाता है। यहीं पर भगवान ने भजनहार के जीवन में विशेष रूप से कार्य किया। उसने किसी चीज़ के लिए प्रार्थना की थी, शायद उसने परमेश्वर से बलि चढ़ाने, वचन और बलिदान देने का वादा भी किया था।

भगवान ने प्रार्थना का उत्तर दिया और ये विशिष्ट हो गए। हम उन्हें कुछ हद तक मिथ्या नाम कहते हैं। हम उन्हें धन्यवाद गीत कहते हैं।

एनआईवी में, हम उन्हें आभारी प्रशंसा कहते हैं क्योंकि हिब्रू शब्द थैंक्सगिविंग अंग्रेजी शब्द थैंक्सगिविंग के बराबर नहीं है। हमने कहा कि अंग्रेजी में थैंक्सगिविंग तब होता है जब मैं आपके पास जाता हूँ और कहता हूँ, धन्यवाद। हिब्रू में ऐसा कुछ नहीं है।

धन्यवाद तब होता है जब मैं हर किसी को आपके बारे में बताता हूँ और आपका जश्न मनाता हूँ। मैं सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करता हूँ। थैंक्सगिविंग कुछ सार्वजनिक है, निजी नहीं।

इसलिए, यह आभारी प्रशंसा है कि हम दूसरों को बताते हैं कि भगवान ने हमारे लिए क्या किया है, हमारे लिए उनका उद्धार। वह कृतज्ञ स्तुति के स्तोत्र हैं। उस मामले में, हमने अभी तक कृतज्ञतापूर्ण स्तुति का एक भी भजन नहीं लिखा था।

भजनों के लिए हमने दो स्तोत्र बनाये। हमने, सबसे पहले, भजन 100 किया। वह पहले घंटे में था जहां आपके पास सामान्य प्रार्थना की पुस्तक में लिखा है, आप सभी प्रभु में आनंदित रहें।

हमने उस बारे में सोचा. राष्ट्रों से इसका क्या तात्पर्य है? हे सब देशों, प्रभु में आनंदित रहो, आनन्द से प्रभु की सेवा करो। गाना लेकर उनके सामने आएं.

यह जान लो, कि प्रभु आप ही परमेश्वर है। उसने ही हमें बनाया है. हम उसके लोग हैं, उसकी चरागाह की भेड़ें हैं।

और फिर यह स्वीकारोक्ति करने के बाद कि परमेश्वर, इस्राएल का परमेश्वर ही प्रभु है, यह स्वीकारोक्ति करने के बाद और यह कि मध्यस्थ राज्य परमेश्वर की प्रजा है, कि हम उसके लोग हैं

और आप हमारे साथ हमारे परमेश्वर का जश्न मनाते हैं। उन दो पापों को स्वीकार करने के बाद, यह जानकर, यह कहता है, अब स्तुति के साथ उसके दरबार में प्रवेश करो और आभारी रहो और उसका नाम पुकारो क्योंकि प्रभु अच्छा है। उसकी दया अनन्त है।

उसकी वफ़ादारी युग-युग तक कायम रहती है। तो, हमने भजन 100 को देखा और साथ ही हमें भजन 8 के महान भजन, हे भगवान, हे भगवान, सारी पृथ्वी पर आपका नाम कितना राजसी है, को देखने में एक और घंटा लग गया। हालाँकि, हम आज की शुरुआत कृतज्ञतापूर्ण प्रशंसा के गीत के साथ करते हैं।

यह अब पेज पर है, आइए यहां देखें, मुझे यह मिल गया है, यह पेज 105 है। हम भजन 92 को देखने जा रहे हैं। हम उस पर थोड़ा समय बिताएंगे।

मेरा सुझाव है कि या तो आपके सामने बाइबल हो, या आपके सामने मेरा अनुवाद हो। इसलिए, आप लगातार पीछे मुड़कर देख सकते हैं क्योंकि हम यहां जो करते हैं वह यह है कि अब हम भजन को शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। ध्यान करें।

दूसरे शब्दों में, हमें भजन 1 में प्रभु के नियम पर ध्यान करने के लिए कहा गया है। अब हम जो कर रहे हैं, हम परमेश्वर के वचन पर ध्यान कर रहे हैं। जैसे-जैसे हम इसका अध्ययन करते हैं, हम इस पर शब्द-दर-शब्द ध्यान करते हैं।

ठीक है। आइए फिर एक भजन के अनुवाद से शुरुआत करें। हमने कहा कि भजन का मतलब है कि यह एक तार वाले वाद्ययंत्र की संगत में गाया जाने वाला गीत है।

तो, हमें बताया गया कि यह एक गाना है। तो, मूल रूप से, इसे गाया जाना था और इसे संगीत संगत के साथ गाया गया था। इस विशेष मामले में, यह सब्त के दिन के लिए था।

तो, इसे गाया गया होगा, ठीक है, हम थोड़ा और बात करेंगे। तल्मूड के अनुसार, इसे मंदिर में एक विशेष भेंट के साथ गाया जाता था और यह सब्त के दिन के लिए था। यह सोचने का कोई कारण नहीं है कि यह मूल पाठ का हिस्सा नहीं है, यह पहले से ही पहले मंदिर काल से संबंधित है जब वे सब्त के दिन, सब्त के दिन मंदिर में यह भजन गाते थे।

मैं आपके नाम का आह्वान करता हूं, सर्वशक्तिमान, ताकि सुबह आपके अचूक प्रेम और रात में दस तार वाली वीणा और वीणा की मधुर ध्वनि पर आपकी विश्वसनीयता की घोषणा कर सकूं। निःसन्देह तू ही मुझे अपने कामों से आनन्दित करता है। मैं तेरे हाथों के कामों के कारण आनन्द से जयजयकार करता हूं।

आपके काम कितने महान हैं, मैं हूं। आपके विचार अत्यधिक, सचमुच गहरे, या गहन हैं। एक अंग्रेज़ को यह नहीं मालूम, एक मूर्ख को यह बात समझ में नहीं आती।

जब दुष्ट घास की तरह फलने-फूलने लगे और सभी दुष्ट लोग फलने-फूलने लगे, तो इससे उनका हमेशा के लिए विनाश हो गया। क्योंकि आप सदैव ऊँचे स्थान पर हैं, मैं हूँ। देखो, मैं तुम्हारे शत्रु हूँ।

देखो, तुम्हारे शत्रु नाश हो जाएं। सभी कुकर्मों तितर-बितर हो गए हैं। तू ने मेरे सींग को जंगली बैल के समान ऊँचा कर दिया, जिसे मैं ने भरपूर जैतून के तेल से मला।

और मेरी आँखें विजयी दृष्टि से उन लोगों पर टिकी थीं जिन्होंने मुझ पर घात लगाकर हमला करने की कोशिश की थी। मेरे कान उन दुष्टों के विनाश का समाचार सुनेंगे जिन्होंने मुझ पर आक्रमण किया है। एक धर्मी व्यक्ति ताड़ के पेड़ की तरह फलता-फूलता है।

वह लबानोन के देवदार के समान बढ़ता है, जो मैं के भवन में लगाया गया है। हमारे भगवान के दरबार में, वे फलते-फूलते हैं। वे बुढ़ापे में भी फलते-फूलते रहेंगे।

वे रस से भरपूर और पत्तों से घने होंगे। यह घोषणा करते हुए कि मैं ईमानदार हूँ, मेरी चट्टान है जिसमें कोई अन्याय नहीं है।" प्रोफेसर हुसैन और मैं एक तीसरी टिप्पणी लिख रहे हैं, एक ऐतिहासिक टिप्पणी जिसमें वह 2000 वर्षों के चर्च के इतिहास में चर्च की आवाज का पता लगाते हैं। मैं कोशिश करता हूँ भजनहार की वाणी सुनाओ।

यह उन भजनों में से एक है जिसका वर्णन हम अपने तीसरे खंड में करने जा रहे हैं। पहला खंड ईसाई पूजा के रूप में भजनों पर था। हम और कुछ लिखने की उम्मीद नहीं कर रहे थे, लेकिन ऐसा लग रहा था कि भगवान इसका उपयोग करने से प्रसन्न हैं।

इसलिए, हमने दूसरा खंड निकाला है, ईसाई विलाप के रूप में भजन। अब हम तीसरा खंड प्रकाशित करने जा रहे हैं, ईसाई ज्ञान और ईसाई पूजा के रूप में भजन। यह स्तुति का एक भजन है, एक धन्यवाद गीत है।

इसलिए पिछले पतझड़ में मैंने टिप्पणी के भाग के रूप में इस स्तोत्र पर काम किया। तो वहीं से नोट आ रहे हैं। मैंने जो कारण बताया वह यह है कि आपने देखा होगा कि कुछ अलग-अलग अनुवाद थे और वे अनुवाद टिप्पणी में होंगे।

मैं टिप्पणी में उन अनुवादों का बचाव करूँगा। लेकिन आप जानते हैं कि वास्तव में, जैसा कि मैं छात्रों से कहता हूँ, सभी अनुवाद विश्वसनीय और पर्याप्त हैं। कोई भी पूर्ण नहीं है।

वफ़ादार से मेरा मतलब है, वे सभी मूल पाठ के प्रति सच्चे होने का प्रयास करते हैं और वे पर्याप्त हैं। वे सभी इस अर्थ में पर्याप्त हैं कि आप संदेश को समझते हैं। दूसरे शब्दों में, पर्याप्त का अर्थ है किसी ने, एक छात्र ने एक बार मुझसे पूछा, क्या कोई भविष्यवक्ताओं को समझता है? मैंने उत्तर दिया, ठीक है, उन्हें मारने के लिए काफी है।

उन्होंने कुछ संप्रेषित किया, यह पर्याप्त है। इसलिए पर्याप्त का मतलब है कि यह हमारे लिए एक दूसरे के साथ संवाद करने और बात करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन कोई भी अनुवाद सही नहीं

है। और जैसा कि मैं कहता हूँ, हम हमेशा से ही, चर्च की याददाश्त उम्र के साथ तेज होती जाती है, खुदाई और पुरातात्विक कलाकृतियों और सेमेटिक भाषाओं के हमारे ज्ञान के कारण, जो लूथर या केल्विन के लिए कभी उपलब्ध नहीं थे, हमारे पास बहुत कुछ है परमेश्वर के वचन का सटीक ज्ञान।

यह मेरे जैसे व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है, जिसे ऐसा करने के लिए बुलाया गया है, जब इसकी शुरुआत हुई तो मुझे यह भी नहीं पता था कि मंदरसे अस्तित्व में हैं। यह मुझ पर आ रहा है कि मैं स्कॉलरशिप में क्या चल रहा है, इसकी जानकारी रखता रहूँ और यह सुनिश्चित करूँ कि मैं अपने कमेंटरी कार्य में इसे प्रतिबिंबित कर रहा हूँ। लेकिन मैं यही करता हूँ।

मैं जूते में सबसे छोटा अंगूठा हूँ और हमें ऐसा करने वाले किसी व्यक्ति की आवश्यकता है। और इसलिए भगवान ने मुझे अपने अंगूर के बगीचे में यही करने के लिए बुलाया है। तो, मैं इसकी मूल बातें, पूरी चीज़ पर केंद्रित हूँ।

ठीक है। तो, हम वहाँ इसका बचाव करेंगे। अब हम पृष्ठ 106 पर जा रहे हैं।

मैं स्तोत्र के स्वरूप की बात करता हूँ और आपको इसके काव्य को समझना होगा। हमने कहा कि तीन चीज़ें हैं जो कविता की विशेषता बताती हैं। एक मूलभूत चीज़ है समानता।

आप एक पंक्ति कहते हैं और फिर आप उससे संबंधित एक पंक्ति कहते हैं। प्रत्येक श्लोक समांतरता के रूप में है। तो, यह अच्छा है, श्लोक एक, कृतज्ञतापूर्वक प्रशंसा करना अच्छा है।

उसी के समानांतर है 'आई एम' की स्तुति गाना। उसके समानान्तर आपका नाम है, जो कि मैं परमप्रधान हूँ। और आप देख सकते हैं कि यह एक संबंधित कथन है, लेकिन यह वही नहीं है।

यदि आप इसके बारे में सोचें, तो वह मंडली से बात कर रहा है। आई एम की आभारी प्रशंसा करना अच्छा है। वह 'आई एम' के बारे में बात कर रहा है।

और फिर अचानक वह आपका नाम, परमप्रधान, गाना शुरू कर देता है। और आप परिवर्तन देख सकते हैं कि वह मण्डली में है, धर्मविधि में है, और वह मण्डली को संबोधित कर रहा है और भगवान मण्डली का हिस्सा है। और फिर वह विशेष रूप से यहोवा को संबोधित करता है, जिसके नाम का अर्थ है मैं हूँ, शाश्वत।

और इसलिए, और यह कहता है मैं हूँ, और फिर यह आपका नाम है। और फिर स्तोत्र की कुंजी श्लोक आठ की केंद्रीय पंक्ति में होगी, क्योंकि आप हमेशा के लिए ऊँचे स्थान पर हैं, मैं हूँ। और वह बिलकुल शुरुआत में ही संकेत दे देता है, परमप्रधान।

और वैसे भी, यह समानता है। वहाँ मेरी बात यही थी। और यह भाषण के अलंकारों से भरा है।

यह बहुत कल्पनाशील है। कविता की एक और विशेषता यह है कि यह अलंकारों से भरपूर है और आपको इसके प्रति सचेत रहना होगा। इसलिए, उदाहरण के लिए, भजन में, दृष्ट घास की

तरह फलते-फूलते हैं, लेकिन धर्मी खजूर के पेड़ों और लेबनान के देवदारों की तरह फलते-फूलते हैं।

देखें कि यह कितना शक्तिशाली हो सकता है। घास जल्दी बढ़ती है और जल्दी मर जाती है। परन्तु ताड़ के पेड़ और लबानोन के देवदार, वे ऊँचे हो जाते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे सदैव जीवित रहेंगे।

तो, यह उस प्रकार की आलंकारिक भाषा से भरा हुआ है जो हमें भाषण के इन अलंकारों पर विचार करने के लिए कहता है। अचानक, जब आप सोचते हैं, यदि आप इस पर विचार करते हैं, तो यह एक उपयोगी विरोधाभास है, कम से कम मेरे लिए। तो, यह कविता है और यह बहुत संक्षिप्त है।

तो, छंद स्त्रैपशॉट की तरह हैं, स्लाइड शो की तरह। यह गद्य की तरह नहीं है, जो चलती-फिरती तस्वीर की तरह है। आपको यह सोचना होगा कि ये छंद एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं और छंद एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं।

तो, यह कविता में है और इसे पहचानना सार्थक है। दूसरे, यह एक भजन है। हम पहले ही उस बारे में बात कर चुके हैं।

अधिक विशेष रूप से, यह कृतज्ञतापूर्ण प्रशंसा का गीत है। ऐसा प्रतीत होता है कि इसमें दो तरह के परिचय हैं। सबसे पहले, वह मण्डली से बात कर रहा है और आम तौर पर बात कर रहा है, आई एम की आभारी प्रशंसा करना अच्छा है।

प्रशंसा के आह्वान के बजाय, वह एक घोषणा करता है और प्रशंसा करना अच्छा है। फिर वह जनरल को पद दो में दो सामान्य विशेषताओं, आपके अटूट प्रेम और आपकी विश्वसनीयता की घोषणा करने के लिए देता है। लेकिन श्लोक चार में यह विशिष्ट हो जाता है।

वह इस बारे में बात करता है कि मैं कैसा हूँ, और वह प्रशंसा करने वाला है। वह एक विशिष्ट चीज़ के लिए भगवान की स्तुति करने जा रहा है। निःसन्देह तू ही मुझे अपने कामों से आनन्दित करता है।

मैं तेरे हाथों के कामों के कारण आनन्द से जयजयकार करता हूँ। और फिर, समानता, आपके पास कर्म हैं, भगवान क्या करता है और कर्म वह है जो उसके हाथ उत्पन्न करते हैं। परन्तु वह तुम्हारे हाथों के कामों के कारण जयजयकार करेगा।

इस विशेष मामले में, श्लोक 10 और 11 में, वह हमें बताता है कि भगवान ने क्या किया। श्लोक 10, तू ने मेरे सींग को जंगली बैल के समान ऊंचा कर दिया, जिसे मैं ने भरपूर जैतून के तेल से मला। और मेरी आँखें विजयी दृष्टि से उन लोगों पर टिकी थीं जिन्होंने मुझ पर घात लगाकर हमला करने की कोशिश की थी।

और मेरे कान उन दुष्टों के विनाश का समाचार सुनेंगे जिन्होंने मुझ पर आक्रमण किया है। तो वहाँ एक विशिष्ट चित्रण था जहाँ उस पर दुश्मन द्वारा हमला किया जा रहा था। वह इसे निर्दिष्ट नहीं करता है, लेकिन वह संकट में था और अब उसकी तुलना सींग वाले जंगली बैल से की जाने लगी है।

परमेश्वर ने अपने शत्रुओं के ऊपर अपना सींग ऊंचा किया और उन पर विजय प्राप्त की। यह बहुत संक्षिप्त है, लेकिन आप चित्र प्राप्त कर सकते हैं। वह महान है जिसके सींग जंगली बैल के समान हैं और सींगों पर जैतून का तेल मला हुआ है।

और मैं उन लोगों को विजयी दृष्टि से देख रहा था जिन्होंने मुझ पर घात लगाकर हमला करने की कोशिश की थी। ये कोई आम इंसान नहीं है। यह एक योद्धा के लिए, एक राजा के लिए बहुत उपयुक्त है।

और जो फिट बैठता है वह डेविड द्वारा नहीं कहा गया है, लेकिन निश्चित रूप से एक राजा के बारे में है, यह मुझे लगता है, जो युद्ध में गया है और वह विजयी हुआ है। अब वह मंदिर लौट आया और उसने सभी लोगों के गाने के लिए एक भजन तैयार किया। जैसा कि हम देखेंगे, वह एक विशेष समस्या का समाधान करने जा रहा है।

विशेष समस्या यह है कि आप दुष्टों की समृद्धि को कैसे समझते हैं? और यही वह पद 7 में संबोधित कर रहा है। और वह कहता है, विवेकशील व्यक्ति नहीं जानता, मूर्ख इसे नहीं समझता। जब दुष्ट घास की तरह फलते-फूलते हैं और सभी बुरे काम फलते-फूलते हैं, तो यह हमेशा के लिए नष्ट होने का कारण बनता है। यह भगवान के भगवान की पूरी योजना थी।

तो यह कृतज्ञ स्तुति का गीत है। मैंने पृष्ठ 106 पर परिचय के इन दो रूपों के बारे में बात की। और फिर पृष्ठ 107 पर, पृष्ठ के शीर्ष पर, मैंने एक ऐसी कथा के रूप में बात की जो बचाने के कृत्यों का वर्णन करती है, मेरी आँखें उन लोगों पर विजयी होकर घूर रही थीं जिन्होंने मुझ पर घात लगाने की कोशिश की थी।

और वह जो करता है, अंततः वह श्लोक 10 और 11 में इस विशेष विजय से एक सार्वभौमिक सत्य की ओर जाता है कि भगवान, जब दुष्ट समृद्ध होते हैं, तो उस योजना का हिस्सा होता है जो उनके विनाश की ओर ले जाता है। और यह सार्वभौमिक की ओर ले जाएगा, बुराई पर विजय धर्मी की सार्वभौमिक समृद्धि की ओर ले जाएगी जिसके साथ भजन समाप्त होता है। मैं इसे पृष्ठ 107 पर नंबर चार मानता हूँ, मैं यहां जर्मन शब्दों का उपयोग कर रहा हूँ, क्योंकि अकादमिक साहित्य में इसका उपयोग किया जाता है, जीवन में सेटिंग, मैं मानता हूँ कि यह मंदिर है।

और यह कि यह संगीत बजाना वगैरह सब श्लोक दो और तीन में सुबह घोषित करने के लिए लगता है। वह इसकी घोषणा कर रहा है और वह इसे 10-तार वाली वीणा पर कर रहा है। वह कहां होता है? यह मुझे बिल्कुल स्पष्ट लगता है।

यह मन्दिर में हो रहा है और यह सब्ब के दिन, सप्ताह के सातवें दिन, मन्दिर में हो रहा है। और यह एक ही समय में कुछ बलिदान के साथ मिलकर गाया जा रहा है। इसलिए, अब हम भजन की अपनी समझ में अधिक धार्मिक दृष्टिकोण में प्रवेश कर रहे हैं।

मैं आपको वहां कुछ ग्रंथ सूची देता हूँ। तो, भजन की सामग्री इसके मंदिर की स्थापना की ओर इशारा करती है। यह मण्डली को संबोधित है, श्लोक 1ए, और फिर भगवान को संबोधित करता है।

फिर श्लोक 13 में ध्यान दें, क्या होता है? वह मानता है कि वह एक समुदाय का हिस्सा है। श्लोक 13, मैं के घर में आँगन में लगाए गए, और अब ध्यान दें, हमारे भगवान, वे फलते-फूलते हैं। तो अब जिस व्यक्ति ने विजय प्राप्त की है वह एक समुदाय का हिस्सा है और पूरा समुदाय उसके साथ प्रार्थना में शामिल हो रहा है।

तो, यह सब मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। यदि मैं अपने आप को राजा के साथ मन्दिर में, उन धर्मियों के साथ कल्पना करता हूँ जो प्रभु के दरबार में उसके साथ उत्सव मना रहे हैं। मैं कहता हूँ, वह मंदिर के वाद्ययंत्रों को संदर्भित करता है।

सब्ब के दिन के लिए, यह कुछ हद तक विवादास्पद है, लेकिन मिशनाह के अनुसार, तल्मूड का हिस्सा, दूसरे मंदिर में लेवितिकल गाना बजानेवालों ने सप्ताह के प्रत्येक दिन एक भजन गाया। रविवार को क्रमिक रूप से उन्होंने 24 गाने गाए, सोमवार को 48 गाने गाए, मंगलवार को 82 गाने गाए, इत्यादि। और आप देख सकते हैं कि 92 सातवां दिन है जब वे यह भजन गाएंगे, लेकिन यह एक यहूदी परंपरा है।

ऐसा कोई कारण नहीं है कि पेज 108 नंबर तीन पर है, मैं ऑल्टर से सहमत हूँ, ऐसा सोचने का कोई कारण नहीं है कि यह पहले मंदिर तक नहीं जाता है। अब ऑल्टर डेविड आदि कुछ नहीं कहेंगे। हम नहीं जानते, लेकिन वह कह रहे हैं कि यह बात निर्वासन से पहले या उससे भी पहले की है जब उनके पास एक मंदिर और पहला मंदिर था।

तो, हम एक ऐसे भजन को देख रहे हैं जिसे चर्च ने 2,500 वर्षों से भी अधिक समय से गाया है। हम कोई ऐसी चीज़ नहीं पढ़ रहे हैं जो ज्ञात न हो। यह एक हिस्सा रहा है, मुझे यकीन है कि शिष्यों ने इसे गाया था, यीशु ने इसे गाया था, क्रिसोस्टॉम ने इसे गाया था।

पूरे कैरोलिंगियन काल में और पूरे रास्ते सभी महान चर्च पिता इस भजन को गाते रहे और इस पर विचार करते रहे। हम सिर्फ एक कैथोलिक चर्च, एक सार्वभौमिक चर्च का हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि 2,500 वर्षों से अधिक समय से अपने बारे में, संतों के समुदाय के बारे में सोचना अद्भुत है।

हम अभी भी यह भजन गा रहे हैं, जो ईश्वर के अटल प्रेम का प्रमाण है। वह अपने लोगों की रक्षा करता है। लेकिन चर्च जिन सभी कठिनाइयों से गुजरा है और भीतर से धोखा दिया गया है, बाहर से हमला किया गया है, उदारवाद कुछ पहलुओं में सड़ रहा है।

हम अभी भी यहीं हैं और यहीं रहेंगे। भगवान पराजित नहीं होंगे. अंतिम शब्द मृत्यु नहीं है.

अंतिम शब्द जीवन है. अंतिम शब्द हमारे चेहरे पर गंदगी का एक फावड़ा नहीं है। अंतिम शब्द एक विजयी पुनर्जीवित शरीर है।

यह भगवान का वादा है. इसे साबित करने के लिए उनके पास एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। ठीक है।

प्रत्याशा के माध्यम से मैंने यह भी देखा कि हम पहले ही कह चुके हैं कि यह एक शाही स्तोत्र है। यह राजा डेविड द्वारा नहीं है. मैं मानता हूँ कि संभवतः इसमें कोई उपरिलेख रहा होगा।

मैं नहीं जानता, लेकिन यह किसी धर्मात्मा राजा द्वारा किया गया है। यह युगांतशास्त्रीय है। कहने का तात्पर्य यह है कि, यह धर्मियों की अंतिम विजय और पेड़ों की तरह उनके अंतिम अस्तित्व की आशा कर रहा है।

अमरता को वास्तव में अभी तक प्रकाश में नहीं लाया गया है। हम इसे बाद में देखेंगे. यीशु मसीह के मृतकों में से पुनरुत्थान में अमरता को प्रकाश में लाया गया है।

ओल्ड टेस्टामेंट में सबसे अच्छी बात यह हो सकती है कि वे इसकी तुलना एक पेड़ से कर सकते हैं, क्योंकि यह उस पेड़ का प्रतिनिधित्व करता है जो भीतर से रस से भरा हुआ है और पत्तियों से घना है, बाहर से जीवंत है। यहीं पर यह पेड़ की जीवंत दीर्घायु की छवि छोड़ता है। तो, यह अनन्त जीवन के पथ पर है, लेकिन हम अब नए नियम में दिन की पूर्ण स्पष्टता तक नहीं पहुँचे हैं।

तब हमें नए नियम तक त्रिएकत्व की पूर्ण स्पष्टता प्राप्त होती है। तो, यह इसका अनुमान लगाता है, लेकिन अन्य बातों के अलावा इस भजन में इसे स्पष्ट रूप से नहीं बताता है। लेकिन किसी भी मामले में, यह मसीह का एक प्रकार है और अंतिम विजय तब होती है जब वह मृत्यु पर विजय प्राप्त कर लेता है।

वह अंतिम विजय है. लेकिन यहूदी व्याख्याकारों ने इसकी ऐसी व्याख्या की, जिससे मुझे आश्चर्य हुआ। यह टारगम है.

टारगम एक अरामी अनुवाद है, जो यीशु के समय से थोड़ा पहले का है। यह एक दृष्टांत है कि वे शब्द दर शब्द बनने का प्रयास नहीं करते हैं। यह बहुत व्याख्यात्मक है.

देखो, वे महत्वपूर्ण पंक्ति की व्याख्या कैसे करते हैं, क्योंकि मैं हमेशा से ऊँचे स्थान पर हूँ। यहाँ वे क्या कहते हैं. यह टारगम में है.

यह उनका अनुवाद है. लेकिन हे भगवान, आप इस युग में उच्च और सर्वोच्च हैं, और आप आने वाले युग में भी उच्च और सर्वोच्च हैं। यह हमेशा के लिए था.

इसलिए, यह न केवल इस युग में बल्कि आने वाले युग में भी है। मुझे लगता है कि उन्होंने यह अनुमान बहुत वैध तरीके से लगाया। तो, यह एस्केटन की ओर भी देख रहा है।

फिर से, सब्त के दिन पर टिप्पणी करते हुए, यह भविष्य के लिए एक भजन है, उस दिन के लिए जो पूरी तरह से अनंत काल के लिए शब्बत है। इसलिए, जब हम अपने अंतिम विश्राम में प्रवेश करते हैं तो उन्होंने इसे भविष्य और अनंत काल के संदर्भ के रूप में समझा। यह हमारी सबसे पुरानी यहूदी व्याख्या में है।

आप देख सकते हैं कि नया नियम उस तरह के संदर्भ से आ रहा है और यह इसे पूरी सच्चाई के साथ हमारे अनमोल उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के लिए संदर्भित करता है। इसलिए, मैं तीसरे नंबर पर कहता हूँ, ऐतिहासिक राजा और उसकी जीत की रिपोर्ट ने यीशु मसीह और शैतान, पाप और मृत्यु पर उसकी जीत को दर्शाया। सार्वभौमिक वाचा समुदाय स्वयं को इस राजा के साथ पहचानता है।

मैं पुस्तक की सेटिंग को छोड़ कर पृष्ठ 109 पर जा रहा हूँ। मैं केवल भाषणबाजी के माध्यम से कुछ चीजों पर ध्यान दूँगा। बयानबाजी यह है कि इसे एक साथ कैसे रखा जाता है।

अलंकार का विचार यह है कि आप भजन के संदेश में प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए, वे सौंदर्यशास्त्र के लिए और भजन को समझने में हमारी मदद करने के लिए सभी प्रकार की संरचनाओं और विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते हैं। ऐसा लगता है कि इसमें एक चियास्टिक संरचना है।

इसकी शुरुआत प्रशंसा से होती है और अंत प्रशंसा पर ही होता है। वास्तव में, यह उन्हीं शब्दों का प्रयोग करता है। इसकी शुरुआत स्तुति से होती है जिसमें भजनकार मण्डली को स्तुति करने के लिए बुलाता है।

तो, पद दो में आपके पास सुबह घोषित करने के लिए है, आपका अमोघ प्रेम और पूरे रास्ते, मैं आपके कर्मों से आनंदित होऊँगा। तो, पहले चार श्लोक प्रशंसा के बारे में हैं। अंतिम चार श्लोक, श्लोक 12 से 15, भी धर्मी लोगों के फलने-फूलने से संबंधित हैं।

इसका मुद्दा यह है कि वे फल-फूल रहे हैं। उनके फलने-फूलने का कारण यह है कि वे परमेश्वर की स्तुति करा सकें। तो, अंत में, आपको धर्मी, राजा और उसकी प्रजा की घोषणा करनी होगी।

वे सभी घोषणा कर रहे हैं कि मैं ईमानदार हूँ। वह बिना किसी दोष के है। वह बिल्कुल न्यायपूर्ण है।

तो, इसकी शुरुआत प्रशंसा से होती है। यह प्रशंसा के साथ समाप्त होता है। श्लोक एक से चार तक राजा 'मैं हूँ' की स्तुति करता है, और श्लोक 12 से 15 तक अंत में धर्मी और राजा तथा प्रजा 'मैं हूँ' की प्रशंसा करते हैं।

श्लोक में यह पाँच और छः होना चाहिए। वह ईश्वर के महान कार्यों और गहन विचारों की प्रशंसा के लिए ईश्वर की स्तुति करता है। वह पद पाँच है।

आपके कार्य कितने महान हैं और इसके पीछे आपकी सोची-समझी योजनाएँ कितनी हैं। भगवान ने यही किया, विचारों को गणनात्मक विचार माना जाता है। यह कोई तात्कालिक बात नहीं है।

फिलहाल दुष्टों की समृद्धि परमेश्वर की योजना का हिस्सा थी। तो, वह भगवान के महान कार्यों और गहन विचारों के लिए कहते हैं। इसके समानांतर राजा अपनी जीत पर खुशी मनाता है।

ये महान कार्य हैं। दूसरे शब्दों में, उसके मन में कौन सा महान कार्य है? आम तौर पर, लेकिन अधिक विशेष रूप से, यह उनकी जीत का काम था। श्लोक सात और श्लोक नौ में ध्यान दें, सभी दुष्टों का सफाया हो गया है।

सभी दुष्ट लोग नष्ट हो गए हैं। श्लोक सात और श्लोक नौ की तुलना करें और समानता देखें। आप बस यह देख सकते हैं कि इसे पृष्ठ पर किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है।

मैं अनुवाद पर ध्यान नहीं दे रहा हूँ। ध्यान दें कि दोनों एक त्रिकोण हैं। हमने इसके बारे में कविता, त्रिकोण में बात की।

वहाँ तीन लाइनें हैं। केवल सात और नौ में तीन पंक्तियाँ हैं। समानता पर ध्यान दें, पद 7बी, सभी दुष्ट।

सभी दुष्टों, श्लोक नौ पर ध्यान दें। श्लोक सात में, सभी दुष्ट लोग, खिलते हैं और नष्ट हो जाते हैं। अब सब कुकर्मों तितर-बितर हो गये हैं।

तो, आपके पास श्लोक सात है, सभी दुष्ट, श्लोक पृष्ठ 109 पर मेरे नोट्स पर वापस जा रहे हैं। सी और सी प्राइम सभी दुष्ट लोग नष्ट हो जाते हैं। आप देख सकते हैं कि वे एक-दूसरे के साथ संतुलन बनाते हैं।

तो, धुरी क्या है? यह अपने आप में एक केंद्रीय रेखा है। हिब्रू पाठ में केवल चार शब्द। मध्य रेखा है, क्योंकि मैं सदैव ऊँचे स्थान पर हूँ।

यह ईश्वर के बारे में है और वह सबके ऊपर है। वह अंतरिक्ष में और समय में हमेशा के लिए ऊँचे स्थान पर है। वह सर्वत्र अंतरिक्ष में है और वह सदैव समय में है।

वह इन सबके पीछे महान व्यक्ति है। अब वह मध्य रेखा महत्वपूर्ण है क्योंकि अन्यत्र राजा ही है जो शत्रु को समाप्त करता है। यह कहने में बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है कि राजा वह है जिसका उपयोग ईश्वर शत्रु को नष्ट करने के लिए कर रहा है।

लेकिन वह यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस पूरे मामले के पीछे ईश्वर की योजना है। वह ऊंचे स्थान पर है और वह अभेद्य है और वह विजयी होगा। तो, उसका परिणाम, आप तब देख सकते हैं, इसलिए मैं वह सब आगे की पंक्तियों में विकसित करता हूँ।

पृष्ठ 110, मैंने स्तुति से स्तुति तक, कार्यों से विजय तक, दुष्टों का नाश, दुष्टों का नाश, की एक विचित्र संरचना दिखाने का प्रयास किया। तब ऊँचे स्थान पर स्थित धुरी ईश्वर को ऊँचा किया जाता है। मैं वास्तव में यहां जो कर रहा हूँ वह यह है कि मैं आपको भजन पढ़ने के लिए लेंस दे रहा हूँ।

मुझे नहीं लगता कि औसत अंग्रेजी पाठक को चियास्म के बारे में पता है। उसे इसकी उम्मीद नहीं है। उसे जानकारी नहीं है।

हम रैखिक सोच, ए, बी, सी, डी, डी और उस तरह की कथा के आदी हैं। हम इसी के आदी हैं। हम इस तरह से सोचने के आदी नहीं हैं, लेकिन प्राचीन निकट पूर्वी कविता में यह आदर्श है।

यह इस प्रकार की चियास्म और वैकल्पिक संरचनाएं हैं। यह रैखिक रूप से नहीं चलता जैसा कि हम अंग्रेजी में अपेक्षा करते हैं। वहाँ एक पकड़ है, जैसा कि मैंने कहा, प्रशंसा की घोषणा के साथ एक पकड़ शब्द है, श्लोक दो, बल्कि एक समावेश।

समावेशन से हमारा तात्पर्य एक शुरुआत से है। अंत में, हमने इसे भजन 8 में हुकुमों में देखा, हे प्रभु, हे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। वह पहला श्लोक है, हे प्रभु, हे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है।

वह आखिरी कविता है। हम उसे इन्क्लूज़ियो, लिफाफा कहते हैं। यह इसे एक पैकेज बनाता है।

तो यह स्तुति की घोषणा, स्तुति की घोषणा इसके अंत पर है। इसका केन्द्र स्तुति है, आप सदैव ऊँचे हैं। ओह, मैं हूँ।

मैं कैचवर्ड विकसित नहीं करूंगा। यह थोड़ा ज्यादा कठिन है। तो, उस केंद्रीय पंक्ति के साथ, अब हम यह कहने की स्थिति में हैं कि केंद्रीय पंक्ति के चारों ओर दो छंद हैं, दो बड़ी इकाइयाँ, छंद एक से सात और छंद नौ से 16।

मुझे नहीं लगता कि यह कोई दुर्घटना है कि प्रत्येक आधे भाग में सात छंद हैं, एक से सात तक, नौ से 16 तक। आप इस पूरी चीज़ की समरूपता, इसका संतुलन देख सकते हैं। एक बार जब आप अलंकार के चश्मे से प्रवेश करना शुरू करते हैं, तो आप देखना शुरू करते हैं कि कविता, हम इसे काव्यात्मक कहते हैं, जिसका अर्थ है कि इसे एक साथ कैसे रखा जाता है।

तो, अब हम अध्ययन करते हैं, और यह अकादमिक क्षेत्र में एक बिल्कुल नया दृष्टिकोण है। अब हम शिक्षा जगत में अध्ययन कर रहे हैं कि चीजें कैसे काव्यात्मक होती हैं, और उन्हें एक साथ कैसे रखा जाता है। यह बिल्कुल नया अनुशासन है।

पुरानी टिप्पणियों में, आप वह नहीं पढ़ेंगे जो मैंने अभी आपके साथ साझा किया है। मैं इस पर आ रहा हूँ क्योंकि भजनों को इस तरह से देखना शुरू करने के लिए मुझे कुछ हालिया छात्रवृत्ति से मदद मिली है। उदाहरण के लिए, जब मैं हार्वर्ड गया, तो यह अज्ञात था।

मैं सभी स्रोत आलोचना जानता था। मुझे पता था कि दस्तावेज़ कहाँ थे, लेकिन मैं वास्तव में यह नहीं जानता था कि इन सबको एक साथ कैसे रखा जाए। लेकिन जैसा कि मैं कहता हूँ, हम सभी अधिक परिष्कृत हैं।

ऐसा नहीं है कि हम ग़लत थे. बात सिर्फ़ इतनी थी कि हम बेहतर कर सकते हैं. जैसे-जैसे शिक्षा जगत आगे बढ़ता है, शिक्षाविदों का बेहतर हिस्सा, और यह मुझे परेशान करता है कि चर्च बौद्धिक विरोधी है।

चर्च मूलतः इस प्रकार की विद्वता को हेय दृष्टि से देखता है और वे समृद्धि से वंचित रह जाते हैं। मुझे लगता है कि वे परमेश्वर के वचन के प्रति हिंसा कर रहे हैं। इसलिए वे शिक्षा जगत के बारे में मज़ाक करते हैं और शिक्षा जगत हमारी परमेश्वर के वचन को बेहतर ढंग से समझने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

आपने ऐसा अक्सर नहीं सुना होगा, लेकिन यह सच है। ठीक है। अब इसमें दो छंद हैं और यह दिलचस्प है, दो हिस्से।

यह दिलचस्प है कि यदि मैं चार छंदों और फिर तीन छंदों का उपयोग कर सकता हूँ तो पहला भाग आता है। आप एक से चार श्लोकों में स्तुति देखते हैं, और फिर आपके कार्य कितने अद्भुत हैं इत्यादि, परमेश्वर की योजना तीन श्लोकों, पाँच से सात तक में है। फिर आप पलटते हैं और यद्यपि यह एक अलग पृष्ठ है, फिर आपको पाँच से सात के तीन का मिलान करते हुए भगवान ने जो किया उसके तीन छंद मिलते हैं।

अब तीन श्लोक, नौ से 11 तक, और फिर अंत में आपको प्रशंसा के चार श्लोक मिलेंगे। तो, आपके पास तीन, चार हैं, सात बनाओ, तीन, चार, तीन बनाओ, सात, तीन, चार बनाओ, सात बनाओ। और। Am का नाम सात बार प्रयोग किया जाता है।

पहले हाफ़ में तीन, दूसरे हाफ़ में तीन, और एक बार सेंट्रल लाइन पर। क्या वह आकस्मिक है? मुझे ऐसा नहीं लगता। जब आप इन कवियों के अभ्यस्त हो जाते हैं, तब नहीं, वे शानदार होते हैं।

यह बिल्कुल शानदार है, अद्भुत है. मेरे लिए, यह बहुत सौंदर्यपूर्ण और रोमांचक है और यह मुझे और अधिक सीखने के लिए प्रेरित करता है। मुझे बस इसे खाना पसंद है, इसके बारे में सोचना।

यह परमेश्वर के वचन पर ध्यान करने का एक तरीका है। यह खुशी की बात है. मुझसे अनुवाद में गलती हो गयी.

तो, आप सात को नहीं देख पाएंगे और वह श्लोक 13 में है। इसे आई एम के घर में लगाया जाना चाहिए। और फिर यह काम करेगा.

लेकिन मुझसे वहां गलती हो गई. ठीक है। अब, तो फिर हमारे पास क्या है? आइए स्तोत्र को देखें.

और हम यहां जो कर रहे हैं वह यह है कि हम अपने सूट, अपनी जैकेट, चाहे वह कुछ भी हो, को देख रहे हैं। हम इसे पहनने से पहले इसे देख रहे हैं ताकि हम इसमें सहज महसूस करें। तो सुनिश्चित करें.

तो, यहाँ भजन की रूपरेखा है। फिर भजन का तर्क यह है कि हम इस परिचय से शुरू करते हैं और यह दिन और रात, भगवान के शब्द के लिए अथक प्रशंसा, भगवान के काम के लिए अथक प्रशंसा को संदर्भित करता है। जैसा कि मैंने कहा, यह दो हिस्सों में बंट जाता है।

पहला परिचय, आई एम उदात्तता के लिए कॉर्पोरेट प्रशंसा है, और दूसरा परिचय भगवान के कार्य के लिए व्यक्तिगत प्रशंसा है। पहले परिचय पर ध्यान दें. ध्यान दें कि यह कैसे विकसित होता है।

श्लोक 1, 2, और 3 को देखें। इसमें कहा गया है, 'आई एम' की कृतज्ञतापूर्वक प्रशंसा करना अच्छा है, यह शब्द है। और फिर आपके नाम की स्तुति गाने के लिए संगीत आता है। तो, एक मौखिक शब्द है और दूसरा एक गीत में है, आपको संगीत मिल गया है।

इसलिए, मैं समानता के बारे में सोच रहा हूँ। मैं समानता में कहता हूँ, आप सोचते हैं कि क्या समान है और क्या अलग है। एक है कृतज्ञतापूर्वक प्रशंसा करना।

दूसरा है इसे गाना. ध्यान दें कि तब श्लोक 2 में क्या होता है, आपके पास शब्द हैं। पद 3 में, आपके पास संगीत है।

तो, श्लोक 2 1ए को संशोधित करता है और श्लोक 3 1बी को संशोधित करता है। तो, आपके पास, आई एम की आभारी प्रशंसा करना अच्छा है। वह क्या है? सुबह अपने अटूट प्रेम और रात में अपनी विश्वसनीयता का बखान करने के लिए।

ये वे शब्द हैं जिनका हम प्रचार कर रहे हैं। लेकिन फिर इसे पद 3 पर, 10-तार वाली वीणा पर, वीणा की धीमी ध्वनि पर गाएं। वह शब्द विकसित करता है और फिर वह संगीत विकसित करता है।

यहाँ क्या हो रहा है और हम अभी क्या कर रहे हैं, इस पर ध्यान करना हमारे लिए सार्थक है। फिर हम पद 2 में उस अलंकार को सुबह और रात कहते हैं, हम उसे मेरिज्म कहते हैं, मेरिज्म, जिसका अर्थ है कि दिन और रात क्या है, जिसका मतलब सभी समय, गर्मी और सर्दी, वसंत ऋतु और फसल, इत्यादि होगा। इन्हें मेरिज्म और मेरिज्मस कहा जाता है, पूरा शब्द मेरिज्मस है, मेरिज्मस, जो विपरीतों का कथन है, जिसका अर्थ है समग्रता।

इसीलिए मैंने अथक स्तुति अनुभाग का नेतृत्व किया। यह उस मंदिर में किया जाएगा जहां उनके पुजारी दिन-रात सेवा करते थे। यह स्तोत्र दिन-रात, लगातार, हर समय अथक स्तुति में गाया जा सकता है।

तो, आप कह सकते हैं, हम भजनों पर मनन कर रहे हैं। हम जो चल रहा है उस पर ध्यान कर रहे हैं, उनके बारे में सोच रहे हैं। आप इसमें जल्दबाजी न करें।

यह कोई त्वरित पठन नहीं है। अब हमारे पास ईश्वर के कार्य और विचारों की महानता है। श्लोक पाँच में एक सारांश कथन में हमारे पास यह है कि आपके कार्य कितने महान हैं, वह क्या करता है, और फिर उनके पीछे के विचार क्या हैं।

वह जो कह रहा है वह यह है कि भगवान के विचार गहरे हैं। वे हर किसी के लिए सुलभ नहीं हैं। जब कोई चीज़ गहरी होती है, तो इसका मतलब है कि वह अप्राप्य है।

मूर्ख इस सत्य तक नहीं पहुँच सकता। वह यही कहने जा रहा है। जानवर नहीं समझते।

मूर्खों को यह समझ नहीं आता। परमेश्वर जानबूझकर इसे मूर्ख से छुपाता है। वह इसे नहीं देख सकता।

वह जानबूझकर इसे उस व्यक्ति से छिपाता है जिसका उस पर कोई विश्वास नहीं है और न ही उस पर कोई निर्भरता है। उनमें इसे समझने का जज्बा नहीं है। मुझे भी ऐसा ही लगता है।

मैं सोचता हूँ कि आज का अधिकांश उपदेश चिकित्सा उपदेश है। वे वास्तव में गहरे सिद्धांतों में रुचि नहीं रखते हैं। मुझे नहीं पता कि मैं आपके प्रश्न का उत्तर दे रहा हूँ या नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि यह इसका हिस्सा है।

सच कहूँ तो, जैसा कि आप देख सकते हैं, इस प्रकार के अध्ययन में वास्तविक मेहनत लगती है। समय लगता है। औसत पादरी के पास इसके लिए समय नहीं है।

वह समस्या का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हमें पादरियों को मुक्त करने की आवश्यकता है ताकि उनके पास अधिक समय हो क्योंकि हम उम्मीद करते हैं कि पादरी ही सब कुछ करेंगे। परमेश्वर के वचन पर चिंतन करने में समय लगता है।

लेकिन मैं उस पादरी की मदद करने के लिए टिप्पणियाँ लिखता हूँ, जिसका मतलब है, मेरे विचार से, पादरी नौसैनिक हैं। वह हर समय युद्ध के मैदान पर मौजूद रहता है और सभी प्रकार की समस्याओं का सामना करता है। इसलिए मेरे मन में पादरी के प्रति बहुत सम्मान है, लेकिन मुझे लगता है कि हमें परमेश्वर के वचन आदि की और अधिक ठोस व्याख्या की आवश्यकता है।

लेकिन ईश्वर ने मुझे इसी लिए बुलाया है कि मैं पादरियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करूँ। जब मैं चर्च जाता हूँ, तो मेरे चर्च के पादरी ने मुझसे संडे स्कूल की कक्षा पढ़ाने के लिए कहा। इस उम्र में, मैं खुद से पूछ रहा हूँ कि मैं अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकता हूँ? मुझे

लगता है कि मैं रविवार स्कूल की कक्षा को पढ़ाने के बजाय सभी पादरियों के लिए लिखने में अपने समय का सबसे अच्छा उपयोग कर सकता हूँ।

रविवार की कक्षा अच्छी है. यह आवश्यक है, लेकिन मैं आश्वस्त नहीं हूँ कि यह मेरे समय का सर्वोत्तम उपयोग है। इसलिए हम सभी को रास्ते में प्राथमिकताओं का सामना करना होगा।

तो, भगवान के शब्द की महानता, सारांश कथन, और फिर वह शुरू होता है, देखो वह कहता है, कितना महान और कितना गहरा। फिर वह विकसित होता है कि मूर्ख इसे नहीं समझते हैं। वह जो सिखा रहा है वह दुष्टों की समृद्धि को खत्म करना है।

इस प्रकार वह दुष्टों को समृद्धि देता है, परन्तु सभी दुष्टों का नाश हो जाएगा। जैसा कि हमने देखा है, मध्य रेखा यह है कि ईश्वर सदैव ऊँचे स्थान पर है। फिर वह मध्य रेखा, दूसरे श्लोक के बाद विकसित होता है, वह उस पर वापस जाता है।

सभी दुष्टों का सफाया कर दिया जाएगा। वह कहता है, परमेश्वर के शत्रु नष्ट हो जायेंगे और वह इसे अपने राजा के माध्यम से करने जा रहा है। राजा दुष्टों पर विजयी होता है।

अंतिम छंद मंदिर में धर्मी उत्कर्ष, भगवान के न्याय की घोषणा करता है। ए, धर्मी लोग मंदिर में फलते-फूलते हैं और वे बुढ़ापे में फलते-फूलते हैं, हमेशा के लिए भगवान के न्याय की घोषणा करते हैं, भगवान की स्तुति करते हैं। और जैसा कि मैंने कल व्याख्यान में कहा था, ईश्वर ने हमें उसकी प्रशंसा करने के लिए चुना है।

हमने चौंकाने वाला बयान दिया कि अगर हम स्तुति नहीं करेंगे तो भगवान मर जायेंगे। हमने यह टिप्पणी की है कि भगवान मर नहीं सकते। लेकिन अगर कोई नहीं जानता कि ईश्वर है, तो उसका अस्तित्व ही नहीं है।

अगर कोई उसके बारे में बात नहीं करता है, और प्रेस यही करने की कोशिश कर रहा है। वे भगवान को मारने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे कभी भगवान के बारे में बात नहीं करते। सब कुछ धर्मनिरपेक्ष है।

यदि आप परमेश्वर के बारे में बात नहीं करते हैं, तो आप उसकी कोई प्रशंसा नहीं करते हैं। उसका पता नहीं है। सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, यदि वह ज्ञात नहीं है, तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

हमने बताया कि ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि ईश्वर हम पर निर्भर नहीं है। वह हमें चुनता है। पत्थर चिल्लाएँगे, लेकिन वह पत्थरों का इस्तेमाल नहीं करेगा।

वह अपने लोगों को चुनने जा रहा है। यहां उसकी प्रशंसा करने के लिए हमेशा कोई न कोई रहता है ताकि सभी जान सकें कि वह वहां है। इस सबका मुद्दा यह है कि हम यहां भगवान की स्तुति करने के लिए हैं, उन्हें यह बताने के लिए कि भगवान समुदाय में जीवित हैं।

यह हमारी जिम्मेदारी है. ठीक है। अब यह सब प्रारंभिक का हिस्सा था।

अब हम भजन देखने के लिए तैयार हैं। मैं यह काम बहुत तेजी से करूंगा. ठीक है।

मुझे लगता है कि हम पहले ही कुछ मुख्य बिंदुओं पर चर्चा कर चुके हैं। तो, हमारे पास भजन है। शुक है, हमें इसके बारे में और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है।

पृष्ठ 112. यहां हमने ईश्वर की अथक स्तुति और दो परिचयों के बारे में बात की। मुझे इस बारे में और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है.

मुझे लगता है कि इस शब्द पर टिप्पणी करना उपयोगी होगा, यह अच्छा है। विचार करने के लिए, जब यह अच्छा है तो हमारा क्या मतलब है? इसके दो पहलू हैं. इसका संबंध पदार्थ से है और इसका संबंध शैली से है।

मैं कहता हूं, इसका अर्थ है, सार रूप में लाभकारी, जिसका अर्थ है कि जो अच्छा है वह जीवन को आगे बढ़ाता है और समृद्ध बनाता है। जैसा कि हमने देखा है, ईश्वर की स्तुति करने से जीवन आगे बढ़ता है और जीवन समृद्ध होता है। जो कुछ चल रहा है हम उससे पूरी तरह परिचित हैं।

यह स्टाइल में खूबसूरत है. यह आकर्षक है. वे अच्छे के दो विचार हैं।

यह जीवन को आगे बढ़ाने और जीवन को लाभान्वित करने के लिए सारगर्भित है। यह आकर्षक और मनभावन है. मैं उम्मीद कर रहा हूं कि जैसे-जैसे मैं भजन के साथ काम करूंगा, आपको यह आकर्षक और मनभावन होने के साथ-साथ आपके जीवन को समृद्ध करने वाला भी लगेगा।

अच्छा है। इसलिए, मुझे आशा है कि भगवान की कृपा से हम यहां जो दावा किया जा रहा है उसे मान्य कर रहे हैं। मैं इसका बाकी हिस्सा छोड़ दूंगा।

फिर हम प्रशंसा के शब्दों के बारे में विस्तार से बताएंगे। हमने पृष्ठ 114 पर प्रशंसा के संगीत के विस्तार पर पहले ही टिप्पणी कर दी है। हम पहले ही उस पर चर्चा कर चुके हैं।

फिर श्लोक चार पर, अब हम उनके अपने परिचय पर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें वहां ज्यादा टिप्पणी करने की ज़रूरत है। हमने उस पर टिप्पणी की है और अब हम पृष्ठ 115 पर हैं।

यह श्लोक पाँच से सात तक, परमेश्वर के कार्यों और विचारों की महानता से संबंधित है। मैं समझता हूं कि मूलतः हमने वहां जो कुछ है उस पर बहुत कुछ टिप्पणी की है। अब आपके पास यह सब लिखित रूप में है और आप वापस जाकर इसे देख सकते हैं जैसे आप इस पर विचार करना चाहते हैं।

इसलिए, मैं उस पर अधिक समय नहीं खर्च करूंगा। और पृष्ठ 116 गहरे और गहरे के बारे में बात कर रहा है। मैं वहां 116 पर बस एक वाक्य पढ़ूंगा।

दुष्टों के रूप में, यह पृष्ठ 116 पर दूसरी पंक्ति है, क्योंकि दुष्ट अपनी योजनाओं को आई एम से छिपाने के लिए बहुत गहराई तक जाते हैं, यह यशायाह 29.15 है। परमेश्वर अपनी योजनाओं को मूर्खों से छिपाने के लिए बहुत गहराई तक जाता है। इसलिए वे नहीं समझते क्योंकि उनके पास समझने के लिए हृदय नहीं है। यह कहता है, पौलुस, परमेश्वर की बुद्धि और ज्ञान के धन की सारी गहराइयाँ, उसके निर्णय और उसके मार्ग कितने अप्राप्य हैं।

और वह भजन की नींव रखता है। पृष्ठ 116 पर वापस जाएँ, मूर्खों को समझ नहीं आता। और मूलतः यह भजन बुराई की समस्या से निपट रहा है और दुष्ट लोग क्यों सफल होते हैं? वे इसलिए समृद्ध होते हैं ताकि भगवान विजयी हों और अपनी शक्ति प्रदर्शित करें और उन पर विजय प्राप्त करें।

बिना किसी विरोधाभास के, हम समझ नहीं पाते हैं, लेकिन दुष्टों को एक पल के लिए समृद्ध होने और फिर उसे चकनाचूर करने की अनुमति देकर, भगवान अपनी पूरी शक्ति के साथ, अपनी पूरी पवित्रता के साथ खुद को दिखाते हैं। उस विरोधाभास के बिना, हम ईश्वर की महानता को नहीं जान पाएंगे। और यह उनके विचारों और उनकी योजनाओं का हिस्सा है।

दुष्टों को इसका एहसास नहीं है, कि उन्हें नष्ट करने के लिए तैयार किया जा रहा है। और यह स्तोत्र शत्रु पर उसकी अपनी विजय के अनुभव पर आधारित है। निःसंदेह, यह मसीह की विजय का एक प्रकार है, जैसा कि हम कहते रहे हैं।

हम रुक सकते हैं और उस एक अवधारणा के बारे में सोच सकते हैं जो आपने अभी कहा था। यह बिल्कुल सही है। मेरा मतलब है, जरा उन बुरी चीजों के बारे में सोचें जिनसे अच्छे लोग भी गुजरते हैं।

यही है, और जब हम याचिका अनुभाग में पहुंचते हैं, तो अधिकांश भजन किसी भी अन्य की तुलना में अधिक विलाप करते हैं, जिसका अर्थ है कि विलाप, संकट और कठिनाई धर्मी लोगों के लिए मानक है। ईश्वर की महिमा के लिए कठिनाई में होना आदर्श है। कि वह विजयी हो और हम आध्यात्मिक रूप से विकसित हो सकें।

और फिर हम जाएंगे और धन्यवाद की हिब्रू परिभाषा कहेंगे, जिसका अर्थ है जाकर प्रभु के कार्यों का वर्णन करना। सही। यह सही है।

और हम उसकी प्रशंसा का उद्घोष करेंगे और हम जश्न मनाएंगे कि धार्मिकता की जीत हुई है क्योंकि मैं बुराई से बहुत थक जाता हूँ और यह आपको बोझिल कर देती है। और यह मुझे आश्चर्य करता है, कि ईश्वर इस सारे दिखावे, भ्रम, दुष्टता, झूठ और धोखे को नष्ट कर देगा। जैसा कि हमने कल रात बात की थी, लालच, वह सारी बुराई और कबाड़, यह सब नष्ट हो जाएगा और भगवान को सारी महिमा मिलेगी।

और इसीलिए हमें जीवन की कठिनाइयों की आवश्यकता है। इसलिए, भगवान को महिमा मिलेगी क्योंकि वह हमें जीवन के तनावों और आघातों से बाहर निकालते हैं। यह सब उनके गहन विचारों का हिस्सा है।

आस्तिक यह समझता है. धर्मात्मा, आश्रित लोग इसे समझते हैं। मूर्ख इसे समझ नहीं सकता, इस पर विश्वास नहीं करता।

तो, हमारे पास ऐसे मूर्ख हैं जो नहीं समझते हैं। और फिर श्लोक 7 में हमारे पास है, दुष्टों का फलना-फूलना उनके विनाश की ओर ले जाना है। पृष्ठ 118 पर केवल एक बिंदु, उनके विनाश का कारण बना।

यह श्लोक 7 के अंत में है, उन्हें नष्ट करने के लिए ले जाया जा रहा है। खत्म कर दिया गया शब्द, यह शामत हिब्रू है, हमेशा एक मानव एजेंट के लिए उपयोग किया जाता है। यह हमेशा मनुष्यों द्वारा होता है कि उन पर प्रतिबंध लगाया जाता है और एक तरफ रख दिया जाता है।

और पूरे रास्ते में, भगवान एक मानव एजेंट का उपयोग कर रहा है और वह राजा है। इसीलिए मध्य रेखा इतनी महत्वपूर्ण है कि इसके पीछे भगवान सर्वोच्च स्थान पर हैं। वह इस सबका निरीक्षण कर रहे हैं।

यह सब उनके महान कार्यों और उनके गहन विचारों का हिस्सा है जो इस पूरी चीज़ के पीछे हैं। मुझे लगता है कि हमें यहीं विश्राम करना चाहिए, बिल। ठीक है।

खैर, मुझे लगता है कि हमें थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए। मैं तुम्हें बताऊंगा क्या, मैं अपना मन बदल दूंगा। आइए इसे जारी रखें।

यह सब वहां पर है. आगे है। बिल, हम जारी रखेंगे।

हाँ। मुझे भजन खत्म करना है. मुझे अपना मन बदलना होगा.

मैं भजन खत्म करने जा रहा हूँ. क्या आप जानते हैं कि पोस्ट-प्रोडक्शन को संभालना कितना कठिन है? यह बिल्कुल भी कठिन नहीं है. मैं वास्तव में ऐसा करता हूँ, इसीलिए हम कैमरे बनाते हैं।

ठीक है। ठीक है। हम दूसरे चरण में हैं।

मुझे लगा कि हमें भजन खत्म करना चाहिए। तो चलिए भजन समाप्त करते हैं। ठीक है।

यह हमारी सामान्य कक्षा है, है ना? ठीक है। हम पृष्ठ 119 पर हैं और सभी दुष्टों का सफाया हो गया है और भगवान के शत्रु नष्ट हो गए हैं। हमने उस बारे में बात की.

मैं सिर्फ श्लोक 9 के अंत में बिखरे हुए शब्द के बारे में बात करना चाहता हूँ, सभी बुरे काम करने वाले बिखरे हुए हैं। यह अब आपके नोट्स के पृष्ठ 120 पर है। बिखरे हुए का मतलब है कि वे सभी टूट गए हैं।

मैं आपको शब्द का उपयोग करने के विभिन्न तरीके बताता हूँ। इसका उपयोग करने का एक तरीका यह है कि शेरनी के बच्चों को तितर-बितर कर दिया जाता है। इसका क्या मतलब है? शेरनी के बच्चे बिखरे हुए हैं।

मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि जब शावकों का एक समुदाय टूट जाता है, तो वह खुद को पुनः उत्पन्न नहीं कर सकता है। इसी प्रकार जब दुष्टों का समुदाय तितर-बितर हो जाता है, तो वह अपने विचारों, शब्दों और कार्यों को अगली पीढ़ी में पुनः पेश नहीं कर सकता। मुझे लगता है बात यही है।

यह टूट गया है। अतः यह पुनरुत्पादन नहीं कर सकता। इसका कोई भविष्य नहीं है।

फिर दो छंद के अंतर्गत राजा का अपने विरोधियों पर विजयी होना है। हमने सबसे पहले राजा की महान शक्ति के बारे में बात की। तब राजा अपने शत्रुओं का विनाश देखता और सुनता है।

पद 10 में यह है, उसकी महान शक्ति, तू ने मेरे सींग को जंगली बैल के समान ऊंचा कर दिया। भगवान उसके पीछे है। लेकिन फिर ध्यान दें, वह इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेता है, जिसे मैंने समृद्ध जैतून के तेल से रगड़ा है।

दूसरे शब्दों में, भगवान ने उसे ऊंचा उठाया, लेकिन उसने उत्साहपूर्वक उसके बुलावे को स्वीकार किया और अपनी जान जोखिम में डाल दी। इसलिए, मैंने अपने सींगों को साफ करने और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उन्हें रगड़ा। वह पृष्ठ 121 पर था।

श्लोक 12 में यह दिलचस्प है जब वह कहता है, मेरी आँखें उन लोगों को विजयी दृष्टि से देख रही थीं जिन्होंने मुझ पर घात लगाने की कोशिश की थी। मेरे कान उनके विनाश का समाचार सुनेंगे। ध्यान दें, उसे तुरंत पता चल जाता है कि वह विजयी हो गया है।

लेकिन विचार यह है कि यह जारी रहेगा, इस जीत की प्रतिष्ठा भविष्य में भी बनी रहेगी। मेरे कान सुनेंगे, जो मानता है कि अन्य लोग अब इसकी घोषणा कर रहे हैं और दे रहे हैं, इस महान जीत का वर्णन कर रहे हैं जो उसे मिली है। तो उसने इसे देखा, लेकिन उसे उम्मीद है कि भविष्य में वह दूसरों को इसके बारे में बात करते हुए सुनेगा।

मुझे लगता है कि यह पुनरुत्थान के समय ईसा मसीह की तस्वीर है। उन्होंने इसका अनुभव किया। यह रोचक है।

उन्होंने खुद दूसरों को इस बारे में बात करते हुए सुना। हम अभी भी दुनिया में हर जगह भजन 22 के रूप में इसके बारे में बात कर रहे हैं। क्या जीत है।

अब हम पृष्ठ 122 पर 12 से 15 तक हैं। दुष्टों के विनाश के बाद, धर्म अब फल-फूल रहे हैं। ईसा मसीह की विजय के बाद हम भी फल-फूल सकते हैं।

तो, हमारे पास 12 से 15 तक, धर्मी लोग फलते-फूलते हैं और वे घोषणा करते हैं, मैं ईमानदार हूँ। धर्मियों का उत्कर्ष और प्रशंसा राजा द्वारा पापियों को नष्ट करने के साथ-साथ होती है। इसलिए, धर्मी लोग मंदिर में फलते-फूलते हैं।

उसके नीचे ए में, हमें श्लोक 13 में बताया गया है, वे ताड़ के पेड़ की तरह फलते-फूलते हैं। वे लबानोन के देवदार के समान बढ़ते हैं। तो, हम बचे हैं, यह विचारोत्तेजक भाषा है।

आप क्या सोचते हैं जब आप एक उपमा सुनते हैं कि दुष्ट घास की तरह होते हैं जो रात भर में उग आते हैं और नष्ट हो जाते हैं और धर्मी ताड़ के पेड़ों की तरह होते हैं जो लगभग 90 से 100, 60 से 90 फीट, सात मंजिल ऊंचे होते हैं। लेबनान का देवदार, उस दुनिया का सबसे ऊँचा पेड़, 120 फीट ऊँचा, 12 मंजिला इमारत जैसा। तो, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? रुचि लें।

आप क्या सोचते हैं इससे क्या उत्पन्न होता है? इस प्रकार की कल्पना विचारोत्तेजक है। तो, हम खुद से पूछते हैं, खुद को लेबनान के ताड़ के पेड़ और देवदार के रूप में सोचने से हमारी कल्पना में क्या उभरता है? तो, मैं सुझाव देता हूँ कि मेरे लिए इसका क्या मतलब है। इसका मतलब राजसी कद का होता है।

हम एक शाही पुरोहित वर्ग हैं। ये वे पेड़ हैं जो अन्य सभी पेड़ों से ऊंचे हैं। एक तरह से वे शासन करते हैं।

वे आलीशान हैं और अत्यधिक मूल्यवान हैं। खजूर का पेड़ 300 से 600 पाउंड तक फल पैदा करता है। देवदार का पेड़ अत्यधिक मूल्यवान था।

इस्त्राएल और यहूदा के राजाओं ने अपनी आत्मा बेच दी ताकि वे अपने घर देवदार की लकड़ी से बना सकें। यह सबसे अधिक बेशकीमती पेड़ था। तो यह बहुत, बहुत मूल्यवान है।

ये कुछ विचार हैं जो मेरे पास पेड़ के बारे में हैं। मैंने चार चीजें नीचे दी हैं, पृष्ठ 123। वे दिखने में आलीशान और राजसी हैं।

ताड़ का पेड़ मानव जीवन का निर्वाह करता है। यह खजूर के रूप में भोजन प्रदान करता था और इसके रस का उपयोग वाइन पकाने के लिए स्वीटनर के रूप में किया जा सकता था। जब यह अपना पूरा आकार प्राप्त कर लेता है, तो इसमें 300 से 400 तक फल लगते हैं, कुछ मामलों में तो 600 पाउंड तक भी फल लगते हैं।

एक और बिंदु जिसे हम विकसित करने जा रहे हैं वह यह है कि यह मांग करता है, दोनों पेड़ पानी की प्रचुर आपूर्ति की मांग करते हैं। धर्मी लोग भी ऐसा ही करें। हम समृद्धि के लिए आध्यात्मिक भोजन की प्रचुर आपूर्ति की मांग करते हैं।

जब लोग अपने काम के लिए परमेश्वर के घर की उपेक्षा करते हैं, तो वे सिकुड़ जाते हैं। उनके पास सही भोजन नहीं है, वे वचन में हमारे दैनिक समय की उपेक्षा करते हैं और हम सिकुड़ जाते हैं। हमें निरंतर आध्यात्मिक भोजन इत्यादि की आवश्यकता है।

यह दीर्घायु है. ये पेड़ जीवित रहते हैं, और हम बाद में देखेंगे कि ताड़ का पेड़ लगभग 200 वर्ष तक जीवित रहता है। लेबनान के बीज इतने उपजाऊ हैं कि 5,000 साल पुराने बीज आज भी अंकुरित होते हैं।

क्या आप यह सोच सकते हैं? मुझे लगता है कि मेरे लिए, इस कल्पना में यह सब शामिल है। निःसंदेह, यहां रीचेन और लॉन्गमैन की इमेजेज ऑफ द बाइबल जैसी किताब पढ़ने का महत्व है। यह आपकी लाइब्रेरी में रखने के लिए एक बहुत ही मूल्यवान पुस्तक है, बाइबिल की छवियाँ।

इसे समृद्ध करने के लिए वे आपको इसका ढेर सारा डेटा देते हैं। ध्यान दें कि यह कहता है, वह, धर्मी, वे बढ़ते हैं। और इसका अर्थ है वृद्धि करना, इसका उपयोग धन की वृद्धि के लिए किया जाता है और इसमें धार्मिकता और जीवन की वृद्धि शामिल है।

उनकी वृद्धि इतनी अधिक हुई कि वे लबानोन के देवदारों के समान हो गए। और मैं आपको डेटा देता हूँ, जो 120 फीट से अधिक लंबा हो सकता है, सुंदरता, ऊंचाई, मूल्य, प्रजनन क्षमता और दीर्घायु में उत्कृष्ट है। और मैं आपको शब्दकोश से कुछ डेटा देता हूँ।

यह नोट 144 पर है। यह बाइबिल इमेजरी का शब्दकोश है। मैं उस पुस्तक को आपकी लाइब्रेरी में भेजता हूँ।

श्लोक 13 में ए, अर्थात्, वे ताड़ के पेड़ और देवदार के पेड़ की तरह फलते-फूलते हैं। और अब हमें बताया गया है कि वे मंदिर में लगाए गए हैं। हम किस बारे में बात कर रहे हैं? वे प्रभु के दरबार में लगाए गए हैं।

लेकिन यह कल्पना है, लेकिन क्या आम तौर पर मंदिर में ताड़ के पेड़ उगते हैं और मंदिर में लेबनान के देवदार उगते हैं? हम किस बारे में बात कर रहे हैं? और मुझे लगता है कि वह इसकी तुलना ईडन गार्डन, पैराडाइसिकल गार्डन से कर रहा है, जहां स्वर्ग में, शुरुआत में, पहला मंदिर ईडन गार्डन है। मंदिर वह है जहां भगवान निवास करते हैं। पहला मंदिर एक बगीचा था जहाँ वह आदम और हव्वा के साथ बगीचे में टहलता था।

यह एक पहाड़ था. यह जकेल 28 में ऐसा कहा गया है, कि शैतान परमेश्वर के पर्वत पर था। पाठ में ऐसा इसलिए माना गया है क्योंकि बगीचे से होकर एक नदी बहती थी।

यह पानी की इतनी समृद्ध, प्रचुर आपूर्ति थी कि बगीचे से गुजरने के बाद, यह चार हेडवाटर और चार नदियों में विभाजित हो गई, जिन्हें उस कहानी में पूरी पृथ्वी को फलने-फूलने के रूप में चित्रित किया गया है। तो, यह पानी आपके बगीचे से होकर आ रहा है। मुझे लगता है कि इस तरह से मंदिर को एक बगीचे के रूप में चित्रित किया जा रहा है।

मैंने आपको भजन 1 में दिया था, यदि आप पृष्ठ 125 को देखें, तो मैं आपको एक मंदिर दिखाता हूँ कि इसे अशरूनिपाल से असीरियन राहत में कैसे चित्रित किया गया था। पहाड़ की चोटी पर आपको मंदिर दिखाई देता है। आप मंदिर के स्तंभों को देखें।

इसके सामने आपको एक छोटा सा मंडप दिखाई देता है और उसके अंदर राजा है। राजा प्रार्थना में है। फिर ध्यान दें मंदिर के कोने पर एक नदी है।

यह 45 डिग्री के कोण पर एक बगीचे से होकर बह रही है। नदी के बाहर भजन 1 की तरह पानी की धाराएँ, पानी की नहरें हैं। इससे मंदिर के आसपास का पूरा क्षेत्र जलमग्न हो रहा है।

मुझे ऐसा लगता है जैसे वे बगीचे में लगे ताड़ के पेड़ हैं। मुझे लगता है कि भजनहार के मन में मंदिर की यही तस्वीर है। यह उसकी कल्पना है।

यह उसकी तस्वीर है, जैसे कि अदन का बगीचा, उसमें से बहती नदी और उसमें से पानी की धाराएँ। हम बगीचे में पेड़ों की तरह हैं। दूसरे शब्दों में, सचमुच पेड़ फल-फूल रहे हैं।

वे फल-फूल रहे हैं क्योंकि उन्हें मंदिर से निकलने वाले पानी की प्रचुर आपूर्ति हो रही है। यह हमारी एक तस्वीर है कि हम भगवान के मंदिर में भगवान की उपस्थिति में फलते-फूलते हैं। हमें भजन 1 के अनुसार आपूर्ति की जा रही है, और उसकी प्रसन्नता प्रभु की व्यवस्था में है।

वह उसके विधान में दिन-रात ध्यान करता है और वह जल के नाले के समान हो जाएगा। तो, दूसरे शब्दों में, हम इस मंदिर के बगीचे में हैं और हम पानी की प्रचुर आपूर्ति में लगे हुए हैं। यह हमारे आध्यात्मिक जीवन का चित्र है।

हम अपना आध्यात्मिक जीवन प्रभु के मंदिर में पाते हैं, जहाँ हम परमेश्वर का वचन सुनते हैं। हम भगवान की स्तुति गाते हैं। यह हमारे जीवन का स्रोत है।

इसलिए, हम बगीचे में फलते-फूलते हैं। दिलचस्प बात यह है कि ताड़ का पेड़ और देवदार का पेड़ सामान्य रूप से एक साथ नहीं बढ़ सकते हैं। ताड़ का पेड़ गर्म क्षेत्र में है और आप इसे मरूद्यान पर देखते हैं।

इसे इस शुष्क परिदृश्य के बीच मरूद्यान और टावरों में गहरी जड़ों से पानी मिलता है। जैसा कि मैं इसकी कल्पना करता हूँ, मरूद्यान में ताड़ का पेड़ है। गर्मी है।

यह एक निम्न देश है। लेबनान का देवदार ऊँचे पहाड़ों पर है और ठंडा है। वे विविध रूप से विपरीत हैं और फिर भी दोनों भगवान के मंदिर में हैं।

क्या यह चर्च की सार्वभौमता की बात नहीं करता? प्रभु के मंदिर में सभी प्रकार के लोग धर्मी हैं, सभी एक ही झरने से पीते हैं। यह भगवान के मंदिर में फलता-फूलता और समृद्ध होता हुआ एक अद्भुत चित्रण है। ये कुछ विचार हैं जिन्हें मैं यहां आपके लिए विकसित कर रहा हूँ।

मैं आपको पवित्रशास्त्र के पुराने नियम से पानी के बारे में डेटा देता हूँ। फिर अंत में श्लोक 14 और 15 में, वे बुढ़ापे में फलते-फूलते हैं और घोषणा करते हैं कि ईश्वर ईमानदार है। सबसे पहले, धर्मी बुढ़ापे में फलता-फूलता है।

इसलिए मैं आपको इन पेड़ों की जीवन अवधि का डेटा देता हूँ। वे अभी भी बुढ़ापे में फलते-फूलते हैं और वे रस से भरपूर होंगे, आंतरिक स्वास्थ्य और कल्याण की आकृति और पत्तियों से घने होंगे, मूसा की तरह बाहरी स्वास्थ्य और जीवन शक्ति की आकृति, इत्यादि। फिर वे क्या कर रहे हैं? वे घोषणा कर रहे हैं कि मैं ईमानदार और न्यायप्रिय हूँ।

वे यही घोषणा कर रहे हैं। मैं यह घोषणा करते हुए शब्द पर टिप्पणी करता हूँ कि मैं ईमानदार हूँ और पृष्ठ 128 पर, मैं ईमानदार शब्द पर टिप्पणी करता हूँ। वस्तुतः, मेरा सुझाव है कि, डेटा मुझे बताता है कि इसका अर्थ है बिना किसी मोड़ या मोड़ के सीधा होना।

इसका अर्थ है बिना किसी उभार के समतल होना। दूसरे शब्दों में, यह बिल्कुल सीधा है। यह दोषरहित है, सीधा होने का तात्पर्य बिना किसी उभार, बिना मोड़, बिना मोड़ के दोषरहित होना है।

वह भगवान है। वह पूरी चीज़ के पीछे है। तो लाक्षणिक रूप से, इसका मतलब टोरा नैतिकता के अनुसार दोषरहित न्यायसंगत और नैतिक है।

मैं बाकी टिप्पणियाँ वहीं रहने दूँगा। और फिर मैं बात करता हूँ, यहां पेज 128 पर एक जगह होनी चाहिए और यह इटैलिक में है, लेकिन इसके लिए एक जगह की जरूरत है। आप मेरी चट्टान देखिए और मैं चट्टान की आकृति पर टिप्पणी करता हूँ, मेरी चट्टान।

इसका मतलब यह है कि यह पूरी तरह से ठोस है। आप इसे तोड़ नहीं सकते। यह ठोस है, बिल्कुल ठोस।

और इसलिए यह सुरक्षा, सुरक्षा और मोक्ष की बात करता है। आप इसे भेद नहीं सकते। आप इस चट्टान के साथ पूरी तरह सुरक्षित हैं, जो मेरा रक्षक है।

खैर, यह भजन है। अब हमने इसे खत्म कर दिया। यह एक उद्घोषणा है।

आप इसे तोड़ नहीं सकते। काव्य का धर्मशास्त्र है। मुझे आशा है कि आप, मैंने इसे पढ़ा है और मैंने कहा, भगवान का आशीर्वाद है कि उसने मुझे ऐसा करने के लिए बुलाया।